

सहिभूम में सबसे अधिक मतदान दर्ज

चर्चा में क्यों?

झारखंड में पहले चरण के मतदान में सहिभूम में सबसे अधिक 63.14% मतदान हुआ।

मुख्य बदि:

- सहिभूम के बाद 62.82% के साथ खूंटी, 62.60% के साथ लोहरदगा और 59.99% के साथ पलामू का स्थान रहा।
 - रेंगदाहातु, मुरमुरा, तेनसारा और सियांबा में गहन माओवादी वरिधी अभियान तथा **CRPF शक्ति** की स्थापना के साथ-साथ मतदान केंद्र स्थापति किये गए थे।
- **माओवाद वरिधी अभियानों** की प्रभावशीलता स्पष्ट है क्योंकि कई गाँवों में दो दशकों में पहली बार स्थानीय मतदान केंद्र बने हैं, जिससे उच्च मतदान हुआ।
- स्थिति में सुधार के बावजूद पश्चिमी सहिभूम देश के सबसे अधिक **वामपंथी उग्रवाद** प्रभावित जिलों में से एक बना हुआ है। यहाँ **वर्ष 2023** में 46 माओवादी-संबंधी घटनाएँ भी दर्ज की गईं, जिनमें **22 मौतें** हुईं।
 - **माओवाद माओ त्से तुंग द्वारा वकिसति साम्यवाद** का एक रूप है। यह **सशस्त्र विद्रोह, जन लामबंदी और रणनीतिक गठबंधनों** के संयोजन के माध्यम से राज्य की सत्ता पर कब्जा करने का एक सिद्धांत है।

वामपंथी उग्रवाद (Left Wing Extremism- LWE)

- वामपंथी उग्रवाद, जिसे वामपंथी आतंकवाद या कट्टरपंथी वामपंथी आंदोलनों के रूप में भी जाना जाता है, उन राजनीतिक विचारधाराओं और समूहों को संदर्भित करता है जो क्रांतिकारी तरीकों के माध्यम से महत्वपूर्ण **सामाजिक एवं राजनीतिक परिवर्तन का समर्थन** करते हैं।
- LWE समूह अपने एजेंडे को आगे बढ़ाने के लिये **सरकारी संस्थानों, कानून प्रवर्तन एजेंसियों या नज्दी संपत्तियों** को नशाना बनाने जैसे कदम उठाते हैं।
- भारत में वामपंथी उग्रवादी आंदोलन की शुरुआत **वर्ष 1967 के पश्चिम बंगाल में नक्सलबाड़ी (Naxalbari)** के उदय के साथ हुई।